अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 15

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य भिक्षु के शासनकाल में मुनि रायचन्दजी की दीक्षा के पश्चात् कितनी दीक्षाएं हुईं?

(ख) स्वामीजी ने साध्वी कुशालांजी को संयमानुष्ठान की आवश्यक शिक्षा ग्रहण कराने के लिए कब व किसके साथ रहने का आदेश दिया?

(ग) मालव यात्रा में ऋषिराय ने अपना प्रथम चातुर्मास कहाँ व कितने संतों के साथ किया?

(घ) ऋषिराय ने अपने युवाचार्य की नियुक्ति कब व कहाँ की?

(ङ) आलोयणा किसकी की जाती है?

(च) ''मेरी विजय का रहस्य यही है कि मेरा पक्ष सत्य था और सत्य की सदा विजय होती है। यह आपका वचन था।'' यह कथन किसने किससे कहे?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) ''संघ वेयावच्चे'' पाठ में युवाचार्य जय ने संघ शब्द का क्या अर्थ किया?

(ज) मुनि जीतमलजी के परिवार के चारों व्यक्तियों की दीक्षा पृथक–पृथक कितने महीनों तथा कितनी बार में सम्पन्न हुई?

(झ) जयाचार्य ने साध्वियों पर गाथाओं का कर न लगाकर प्रत्येक सिघाड़े को कौनसा भार दिया?

(ञ) जयाचार्य ने 1910 नाथद्वारा में आहार विभाग के लिए क्या नियम बनाया?

(ट) मुद्रांकन का नियम कब बना तथा इस पद्धति में कौनसा नियम लागू किया गया?

(ठ) ''यह उपहार ग्रहण करने का स्थान नहीं है यह तो संतों का दरबार है। यहाँ हम गुरु दर्शन को आए हैं।'' यह कथन किसने किससे कहे?

(ड) सूरत के वे प्रमुख श्रावक कौन–कौन थे जिन्होंने लाला लक्ष्मणदासजी से तत्त्वज्ञान सीखकर लाडनूं में आकर जयाचार्य से यथाविधि प्रत्याख्यान ग्रहण कर श्रावक धर्म को स्वीकार किया?

(ढ़) तेरापंथ व स्थानकवासी समाज के सैद्धान्तिक मतभेदों का विश्लेषण करने वाला ग्रन्थ कौनसा है?

(ण) जयाचार्य ने अपने चबूतरे के पास प्रत्यक्ष दर्शन किसे दिए और उस समय उन्होंने क्या निर्देश दिया?

(त) युवाचार्य जय ने मुनि स्वरूपचन्दजी के साथ दो चातुर्मास कब व कहाँ–कहाँ किये?

(थ) जयाचार्य ने पांच ऋषियों का स्तवन बनाया उसका नामकरण कहाँ–कहाँ व क्या–क्या किया गया?

(द) ''तुम झिझक क्यों रहे हो, तुम भी गोलेछा और मैं भी। समझ लेना कि पांच पुत्रों में से एक को गोद ही दे दिया।'' जयाचार्य ने यह कथन किससे व किसकी दीक्षा के संदर्भ में कहे।

(ध) ध्यान साधना पर जयाचार्य की कितनी व कौन–कौन सी कृत्तियाँ हैं?

प्र.2 निम्न चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

आचार्य रायचंद जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) मुनि ईश्वरजी आदि सन्तों ने थली क्षेत्र का निरीक्षण कर ऋषिराय से क्या निवेदन किया?

(ख) आचार्य रायचन्दजी ने संघ में तंबाखू पर नियन्त्रण हेतु क्या नियम बनाया?

(ग) आचार्य रायचन्दजी के समय कितने छहमासी तप हुए, उन सन्तों के नाम लिखें।

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) संक्षेप में लिखें कि जयाचार्य में गुरुजनों के वचनों का आदर करने की वृत्ति वस्तुतः अनुकरणी थी।

(ड.) टहुका क्या है? जयाचार्य द्वारा इसके निर्माण का उद्देश्य क्या था?

(च) उदयपुर के महाराणा ने मोखजी द्वारा कौनसी चार बातें जयाचार्य को निवेदित करवायी?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) ''साध्वियों पर संकट'' घटना प्रसंग का वर्णन करें।

(ख) ऋषिराय के शासनकाल में घटित घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि ''अत्यन्त उग्र पुण्य और पाप के फल इसी जन्म में मिल जाते हैं।''

(ग) ऋषिराय की ''कच्छ यात्रा'' का वर्णन करें।

प्र.4 किसी एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें। 5

(क) साध्वियों के सिंघाड़े की व्यवस्था।

(ख) समुच्चय के कार्य।

(ग) चितोड़ का चातुर्मास।

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। 30

(क) सिद्ध करें कि जयाचार्य एक महान साहित्यकार थे।

(ख) जयाचार्य के युवाचार्य काल का वर्णन करते हुए स्पष्ट करें कि ''उनकी प्रशासनिक क्षमता अद्‌भुत थी।''

(ग) जयाचार्य के शासनकाल में छोगजी के संघर्ष का वर्णन करें।

तेरापंथ–प्रबोध – 30

प्र.6 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) ''भीखणजी स्वामी भारी मर्यादा बांधी संघ में'' गीत वाला पद्य।

(ख) आशीर्वाद रूप में.....व्यापार हो।।

(ग) ''प्रभो यह तेरापंथ महान'' गीत वाला पद्य।

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) श्री सरदार.....श्रमणीगण में श्रृगार हो।।

(ख) शिक्षा आज.....हृद्‌योद्‌गार हो।।

(ग) मुहुरत बाद.....उदार हो।।

(घ) भारमल्ल नै.....आकार हो।।

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''मघवा गादीघर म्हारा श्री माणक महिमा गरु'' वाला पद्य।

(ख) ''वन्दना लो झेलो भक्ता री भगवान'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''भिक्खू दृष्टांत'' वाला पद्य।

(घ) ''लोग लगास्यू लार हो'' वाला पद्य।